उम्मीदों को नए पंख | **देशी-विदेशी सैलानियों को रिझाने के लिए राज्यों में होड़**

पर्यटन उद्योग में लौटेगी बहार, बढ़ेगा रोजगार...

पत्रिका डे-स्पेशल मंडे मेगा स्टोरी

बसंत मौर्य
patrika.com

मुंबई. कोरोना से बदहाल पर्यटन उद्योग में दो साल बहार लौटने की आस है। यात्रा पाबंदियां हटा ली गई हैं और रविवार से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शुरू हो गईं। विदेशी यात्रियों के लिए दरवाजा खुल गया है। पर्यटन सेवा से जुड़ी पूरी चेन अतिथि देवो भवः के मूड में है। पर्यटन स्थल मेहमानों के इंतजार में हैं। होटल-रेस्टोरेंट, टूर ऑपरेटर-गाइड, हवाई सेवा-लग्जरी बस-कैब सेवा प्रदाता पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार हैं। केरल से जम्मू-कश्मीर तक और हिमाचल-उत्तराखंड से महाराष्ट्र-गुजरात तक के पर्यटन विभाग सैलानियों को रिझाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। पढ़ें **पर्यटन** @पेज 05

सैलानियों को लुभातीं कठपुतलियां

कश्मीर से कन्याकुमारी तक होटल-गाइड तैयार

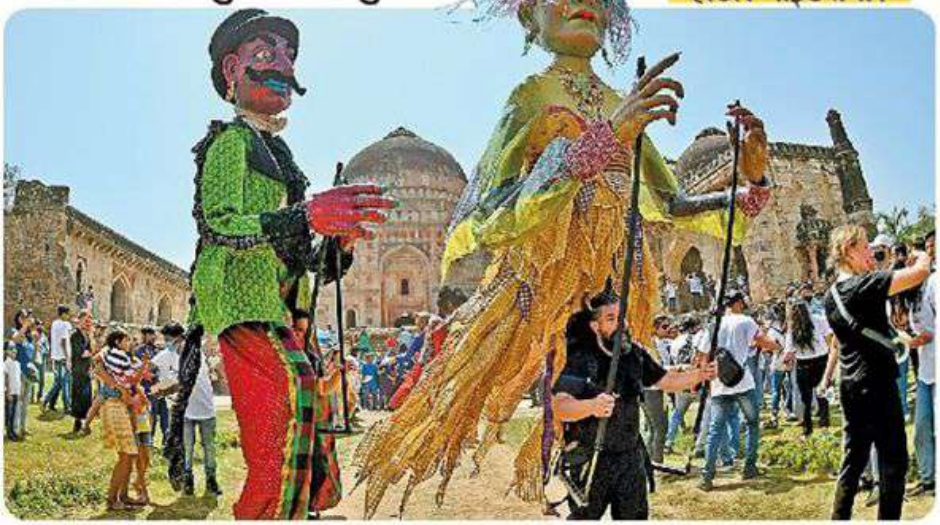

नई दिल्ली के लोधी गार्डन में रविवार को 'नमस्ते भारत' (बॉनजो इंडिया) के तहत विशाल कठपुतलियों के शो का आनंद लेते लोग। 'ए टिवस्ट ऑफ फेट' नाम का यह शो फ्रांस के एक समूह ने तैयार किया। सैलानियों के लिए यह नया आकर्षण रहा।

लोन गारंटी योजना जल्द लागू हो...

होटल और पर्यटन उद्योग की पूरी चेन तकलीफ में है। वर्किंग कैपिटल तक लोगों के पास नहीं है। केंद्र की लोन गारंटी योजना पर जल्द अमल होना चाहिए।
-प्रदीप शेट्टी, संयुक्त सचिव-फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया

जीडीपी में ट्रैवल-टूरिज्म का योगदान

जीडीपी में हिस्सा (प्रतिशत)

33 करोड़ की रोजी-रोटी... पर्यटन से दुनिया में 33 करोड़ लोगों की रोजी-रोटी चलती है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार यात्रा प्रतिबंधों से 2021 में विश्व में 150 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की हानि हुई।

फ्रांस-इटली-जापान में बढ़ेंगे सैलानी...

रेटगेन के मुताबिक 2021 के मुकाबले यूरोप के लिए हवाई टिकट और होटल बुकिंग में पांच गुना उछाल आया है। फ्रांस, इटली, स्पेन और जापान को सबसे ज्यादा बुकिंग मिली है। रेटगेन की रिपोर्ट वैश्विक स्तर पर 1.91 लाख होटलों को मिली तीन करोड़ बुकिंग पर आधारित है। इसमें भारत के 2,000 होटल शामिल हैं। मुंबई और दिल्ली जैसे शहरों में बुकिंग बढ़ने की संभावना है।

जयपुर-बेंगलूरु में भी बढ़ी बुकिंग

कोरोना से राहत के बीच पर्यटन सेवा क्षेत्र का हौसला बढ़ाने वाले संकेत हैं। फरवरी में जयपुर, अहमदाबाद, औरंगाबाद, जम्मू, बेंगलूरु, दिल्ली जैसे शहरों में बुकिंग 40 से 50% बढ़ी। मुंबई, गोवा, मैसूर, पांडिचेरी में यह वृद्धि 70-90% के बीच रही।

सैलानियों पर निर्भर कई देशों की अर्थव्यवस्था

कई देशों की अर्थव्यवस्था सैलानियों पर निर्भर है। एंटीगुआ, अरुबा, सेंट लूसिया, मकाऊ, मालदीव, बहामासा आदि देशों की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का योगदान 51 से 90% तक है।

पढ़ें **सैलानियों** @पेज 05